



शिवाजी महाविद्यालय, रेणापुर

ता. रेणापुर जि. लातूर (महाराष्ट्र)-413 527

रूपरेखा

हिंदी विभाग

नेक मूल्यांकन तृतीय चक्र

2022

हिंदी विभाग की संक्षिप्त रूपरेखा

प्रस्तावना:

महाविद्यालय की स्थापना 1993 में हुई | ठीक उसी समय हिंदी विभाग भी खोला गया | राजभाषा हिंदी के अध्ययन को स्नातक स्तर पर शुरुआत हुई | राजभाषा से जुड़ना एक अर्थ में “राष्ट्र” से जुड़ना होता है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने राजभाषा हिंदी के बारे में कहा था “बिना राष्ट्रभाषा के राष्ट्र गूंगा होता है”। प्रस्तुत उक्तिके अनुसार राष्ट्रीय चेतना को व्यक्त करने वाली भाषा हिंदी रही हैं। वर्तमान काल में प्रस्तुत भाषा के अध्ययन की नित नई संभावनाएँ खुल रही हैं। भूमंडलीकरण, निजीकरण, उदारीकरण के चलते भाषा की स्थिति और गति नये सिरे से परिभाषित करने का समय आ गया हैं। हिंदी केवल भारत की ही नहीं दुनिया की संपर्क भाषा, रोजगार की भाषा, दुनिया के मनुष्यों को जोड़नेवाली भाषा बनती जा रही हैं। हिंदी अपने समय, समाज और मानव सभ्यता की आवश्यकताओं के अनुसार ढल रही हैं। वर्तमान में प्रयोजनमूलक हिंदी, प्रौद्योगिकी की हिंदी, संगणक की हिंदी, मीडिया की हिंदी, प्रशासन की हिंदी तथा रोजगारपरक हिंदी आदि रूप में विकसित हुई हैं। जीवन के विविध क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ हिंदी भाषा ने भी

खुद को युग की मांग के अनुसार विकसित किया है। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में आज हिंदी पढ़ाई जा रही है। भाषा का बाज़ारीकरण जरूर हुआ है किंतु हिंदी बाजार की जरूरतों की पूर्ती हिंदी कर रही है।

विभाग में पूर्णकालिक रूप में दो अध्यापक कार्यरत हैं। इनमें से डॉ. सतीश यादव प्राध्यापक के रूप में तथा हिंदी विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. अर्जुन कसबे सहयोगी प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। दोनों स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड के हिंदी शोध निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. सतीश यादव के शोध निर्देशन में आठ विद्यार्थियों ने पीएच.डी. उपाधि हेतु पंजीकरण किया है जिसमें से छह विद्यार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई है। डॉ. अर्जुन कसबे के शोध निर्देशन में दो विद्यार्थियों ने पीएच.डी. उपाधि हेतु पंजीकरण किया है जिसमें से एक विद्यार्थी को पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई है। विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि दोनों को यू.जी.सी. ने बृहत शोध परियोजना के अंतर्गत मंजूरी मिली है। डॉ. सतीश यादव “अज्ञेय और मर्दकर के साहित्य का आधुनिकता के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन” विषय के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं। जिन्हें यू.जी.सी. ने रु. 3,23,000/ की धनराशि आवंटित की है। डॉ. अर्जुन कसबे “हिंदी उपन्यासों में चित्रित आदिवासी जनजीवन” विषय के अंतर्गत बृहत शोध परियोजना के तहत कार्य कर

रहे हैं। उन्हें यू.जी.सी. ने रू. 4,25,000/ की धनराशि आबंटित की है। यह विभाग की महती उपलब्धि है।

डॉ.सतीश यादव विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्य के रूप में विगत 10 वर्षों से कार्यरत हैं। वे इसी महाविद्यालय में पूर्णकालिक प्राचार्य के रूप में दि.07-04-2008 से 15 10 2010 तक कार्यरत थे। वे तीन बार कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में भी कार्यरत रहे हैं। डॉ सतीश यादव साहित्य, समाज, कला और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत 'लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर' के अध्यक्ष के रूप में विद्यमान हैं। संत कबीर प्रतिष्ठान, लातूर की कार्यसमिति के सदस्य रूप में भी जुड़े हुए हैं। उन्हीं के नेतृत्व में परिषद ने कार्यशाला, संगोष्ठी, नाट्यमंचन तथा भवन निर्माण जैसे कार्य पूर्ण किये हैं। डॉ. अर्जुन कसबे भी लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर के आजीव सदस्य हैं और कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं। संत कबीर प्रतिष्ठान, लातूर की कार्यसमिति के आजीव सदस्य के रूप में भी जुड़े हुए हैं। हिंदी विभाग निरंतर विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का मंच देने हेतु प्रतिबद्ध है। विशेषतः "कालजयी" मुखपत्र विभाग की ओर से निरंतर चलाया जाता है। विभाग के इस मुखपत्र में छात्र छात्राएँ अपनी अभिव्यक्तियाँ देते रहते हैं। विभाग की ओर से सन 2017 में 'ग.मा. मुक्तिबोध की जन्मशती के अवसर पर एक दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी' का आयोजन किया गया। अंततः इतना ही कहा जा सकता है कि, हिंदी विभाग हिंदी भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति का परिचय ही नहीं उन्हें गहरे रूप में विद्यार्थियों को जोड़ने हेतु प्रयत्नरत हैं। वैश्विक मनुष्यों के वेदना से विद्यार्थियों को अवगत करते हुए उन्हें बेहतर मनुष्य बनाने की दिशा में विभाग पहल कर रहा है। भाषिक कौशल विकास एवं विद्यार्थियों को रोजगारपरकता से हिंदी से जोड़ते हुए संवेदनशीलता के फैलाव में महती भूमिका निभा रहा है। गज़लकार हनुमंत नायडू ने ठीक ही लिखा है-

“सामने खड़ी हो जब नंगी सदी, सभ्यता का हर दिखावा व्यर्थ है,
आदमी के दर्द को समझे बिना आदमी होने का दावा व्यर्थ है।”

उद्देश्य

भाषा और साहित्य का अध्ययन मानव समाज की संस्कृति का भी अध्ययन होता है। हिंदी के माध्यम से सांस्कृतिक, राष्ट्रीय, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चेतना को पैदा करना है। विभाग के माध्यम से हिंदी दो स्तरों पर पढ़ाई जाती है।

1. ऐच्छिक हिंदी के रूप में
2. द्वितीय भाषा के रूप में।

हिंदी विभाग अपने छात्र-छात्राओं में भाषायी चेतना पैदा करना चाहता है। हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि पैदा करना, साहित्यधाराओं की विविध विधाओं का परिचय करना, लेखन, वाचन, संभाषण के विविध कौशल का विकास करना इत्यादि विभाग के प्रमुख उद्देश्य रहे हैं। भाषा अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों में लोकमंगल की चेतना पैदा करना, उन्हें वर्तमान युगीन संदर्भों से जोड़े रखना, भाषा की व्यावहारिकता, प्रयोजनपरकता, रोजगारपरकता से परिचय करना भी प्रमुख उद्देश्य रहा है।

हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक, प्रकार्यात्मक एवं कार्यालयी रूपों से परिचित करना, वक्तृत्व, वाद-विवाद में निपुण बनाना, अभिव्यक्ति के

धरातल पर विद्यार्थियों को सोचने-विचारने के लिए प्रेरित करना, उसी का नतीजा है विभाग द्वारा संचालित 'कालजयी' मुखपत्र।

पाठ्यक्रम की अभिनवता से परिचय करना, पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों के द्वारा व्यक्तित्व विकास का नया आयाम खोलना, भाषिक कौशल विकास करना तथा छात्रोंको रोजगाराभिमुख बनाना | एक परिपूर्ण मनुष्य, नागरिक तथा स्वयंपूर्ण नागरिक बनाने हेतु विभाग संकल्पसिद्ध हैं |

हिंदी विभाग में उपलब्ध कोर्स

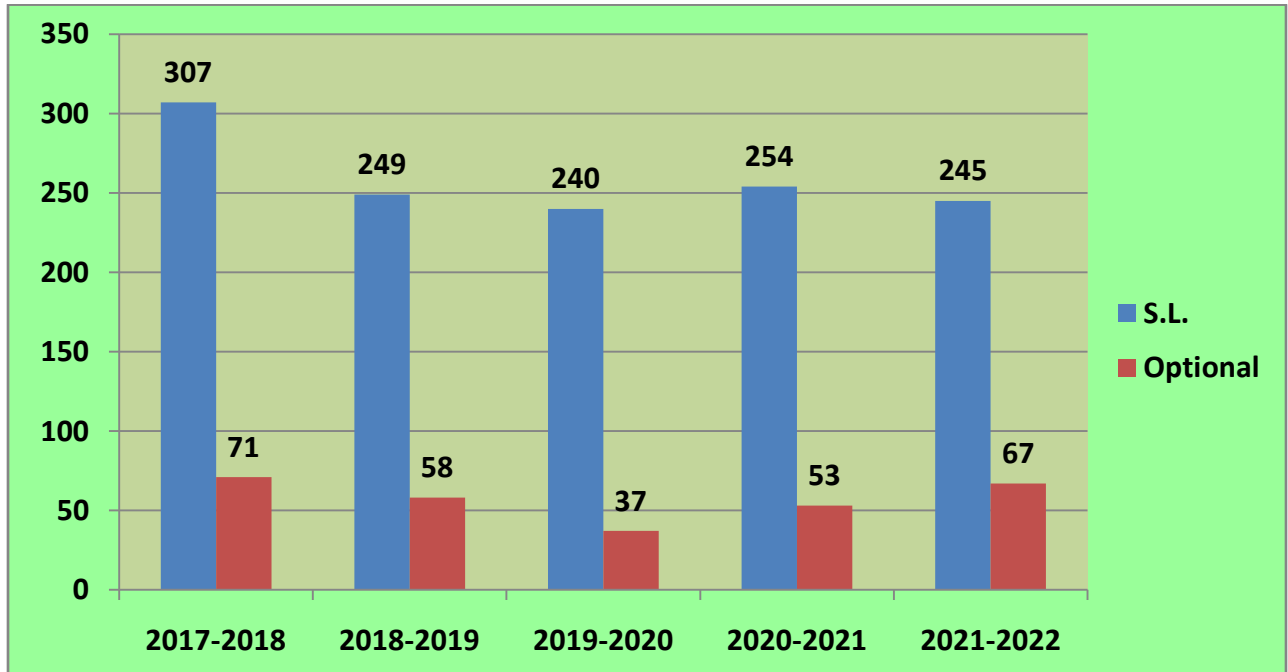
अ.क्र.	विषय पाठ्यक्रम	अवधि	प्रवेश क्षमता
1.	बी.ए.(द्वितीय भाषा)	02 वर्ष	120
2.	बी.कॉम.(द्वितीय भाषा)	02 वर्ष	120
3.	बी.एस्सी.(द्वितीय भाषा)	02 वर्ष	120
4.	बी.ए.(ऐच्छिक)	03 वर्ष	120

अध्यापकों का परिचय

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	शैक्षिक योग्यता	पद	अनुभव
1.	प्रो.(डॉ.) सतीश वसंतराव यादव	एम.ए.पीएच.डी.	प्राध्यापक	26 वर्ष
2.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	एम.ए.पीएच.डी.	सहयोगी प्राध्यापक	26 वर्ष

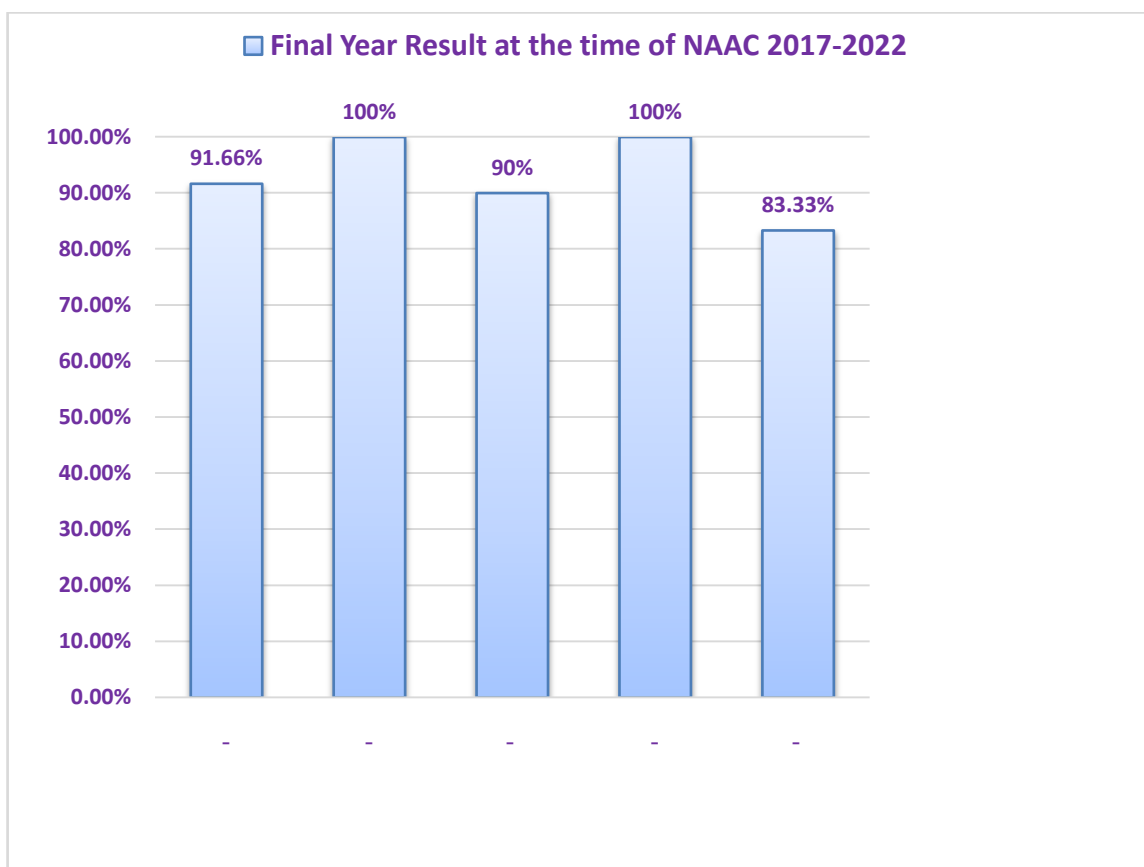
प्रवेशित छात्रों की संख्या तालिका

वर्ष	द्वितीय भाषा	ऐच्छिक
2017 2018	307	71
2018 2019	249	58
2019 2020	240	37
2020 2021	254	53
2021 2022	245	67



अंतिम वर्ष का परिणाम

वर्ष	अंतिम वर्ष का प्रतिशत में परिणाम
ग्रीष्म 2018---	91.66%
ग्रीष्म 2019	100%
ग्रीष्म 2020	90%
ग्रीष्म 2021	100%
ग्रीष्म 2022	83.33%



शोधपरक कार्य

अधिवेशन/संगोष्ठी/कार्यशाला उपस्थिति एवं शोध-पत्र वाचन
(आंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय)

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	संख्या
1.	प्रो. (डॉ.) सतीश वसंतराव यादव	15
2.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	12

शोध प्रकाशन

(i) स्वयंलेखक/संपादक ISSN/ISBN क्रमांक सहित

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	संख्या
1.	प्रो. (डॉ.) सतीश वसंतराव यादव	09
2.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	01

(ii) शोध आलेख प्रकाशन-आंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तरपर शोध पत्रिका में तथा संगोष्ठी और अधिवेशन में:

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	संख्या
1.	प्रो. (डॉ.) सतीश वसंतराव यादव	17
2.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	12

बृहत शोध परियोजना (MRP)

अ. क्र.	अध्यापकों का नाम	शीर्षक	संस्था	कालावधि	अनुदान/राशि आबंटित (रु .लाख में)
1.	प्रो. (डॉ.) सतीश वसंतराव यादव	अज्ञेय और मर्ढेकर के साहित्य का आधुनिकता के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन	यू.जी.सी नई दिल्ली	02 वर्ष	3,23,000/-
2.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	हिंदी उपन्यासों में चित्रित आदिवासी जनजीवन	यू.जी.सी नई दिल्ली	02 वर्ष	4,25,000/-

शोध-निर्देशन

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	संख्या		
		अलॉट	पंजीकरण	अवॉर्ड
1.	प्रो. (डॉ.) सतीश वसंतराव यादव	08	08	06
2.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	02	02	01

महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय विकास में प्रमुख

प्रो.(डॉ.) सतीश वसंतराव यादव (प्रमुख, हिंदी विभाग)

अ.क्र.	महाविद्यालय स्तर	विश्वविद्यालय स्तर
1.	In charge Principal (07-04-1999 To 15-09-1999, 15-09-2001 To 29-04-2002, 16-10-2010 To 05-04-2011)	Member, Board of Studies
2.	Principal (Jan.2008 To April2011)full-time	Faculty Member (2006To2011)
3.	Chief Superintendent in University Exam March/April-2000 and March/April- 2009	Member, Paper Setting
4.	Member of Advisory body, J.S.P.M. Latur (India)	Chief, Vigilance Squad
5.	Member of Advisory body of 'KRUTIKA'	Member, Affiliation Committee
6.	Councilor, Y.C.M.O.U. Nashik	Member, Selection Committee of Best J.C.S., Best Magazine electing Committee
7.	Member, Local Management Council	Member, Research Allocation Committee
8.	Chief, Multi Language Committee	Research Guide
9.	Member, IQAC	Refry for Ph.D. Degree (other University)
10.	Member, NAAC Steering Committee	Expert for Publication Grant, Dr. B.A.M.U., Aurangabad.
11.	Chief,Shahid Balaji Male Debate Committee	Subject Expert,
12.	Co-ordinator Shahid Balaji Male Memorial Trust	Member, Lifelong learning and Extension Board
13.	Chief Editor Annual Magazine	Member, CAS Committee

	'SHIVARAI'	
14.	Director, IPC	Member, Board of Studies, Sir Parshuram Bhau College, Pune (Autonomous)
15.	Co-ordinator, Amrut Mahotsav Committee	Resource person, National Seminar, Palamu (Jharkhand)
16.	Co-ordinator, Gram Dattak Yojana	Chief superintend, University Examination
❖	Community work	
1.	President, Latur Zilha Hindi Sahitya Parishad, Latur.	
2.	Organizer, State Level Seminar –August 2009	
3.	Organizer, 'Natya Manchan' by Rohini Hattangadi	
4.	Organizer, 'Ravindra Natya Mahotsav'	
5.	Organizer, 'Wadal Nilya Krantiche' an one act play	
6.	Organizer, Two Days National Workshop – March- 2013.	
7.	Chief, Sahitya Sanskruti Bhavan, Latur	
8.	Member, Executive Body, JSPM, Latur-2013	
9.	Organizer, Kabir Vyakhyanmala – 2014	
10.	Organizer, One day Vivek-Jagar Parishad -2017	
11.	Organizer, One Day National Seminar in Hindi- 2017	
12.	Organizer, One Day National Seminar in Hindi- 2022	

❖ Publications:		
A.Books	B.Research Papers	C.Articles in News Paper
18	37	16

❖ Awards:	
1.	'Gurugaurav Puraskar' Awarded to Dr. Satish Yadav by Saraswati Sangeet Mahavidyalaya, Latur with the auspicious hands of Vice-Chancellor Dr. Pandit Vidyasagar on 27.07.2016
2.	Best Teacher Award(2018-19) by Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
3.	Maharashtra Rajya Hindi Sahitya Academy, Mumbai Awarded Acharya Nandadulare Vajpai Critics Puraskar for Book ' Alochana Ka Swaraj' (2018-19)
4.	State Level Karyanisth Shiksha Purskar by Adv. Devidasrao Jamdade Prabodhan & Vicharmach, Latur On 05.09.2021
5.	Latur Zilla Prishad Awarded Dr. Devisingh Chouahan Sahitik Puraskar on 19.03.2022

डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे

Sr. No.	College level	University level
1.	NSS Programme Officer 2008 To 2010	Chief, Superintendent in University Exam
2.	Member, Admission Committee	Joint Chief Superintendent in University Exam
3.	Member, Time-Table Committee	Subject Expert
4.	Co-ordinator, and Member Language Association	Examiner in Youth Festival, Solapur University, Solapur
5.	Member, Internal Squad	Member, Paper Setting
6.	Member, Organizing Committee One day Marathi National Level Seminar	Member, Paper Assessment
7.	Member, Media Committee	Research Guide
8.	Co-ordinator, B.C. Cell	P.G. Teacher

9.	Co-ordinator, Planning Committee	
10.	Member, Organizing Committee Two Day National Level Seminar in Commerce Faculty	
11.	Member, NAAC Seven Criteria Committee	
12.	Member, Local Management Committee	
13.	Councilor, Y.C.M.O.U., Nashik	
14.	Member, Organizing Committee One Week Short Term Course	
15.	Member, Admission Committee	
16.	Co-ordinator, Early Magazine Committee	
17.	Member, Time-Table Committee	
18.	Member, Publicity Committee	

विभाग के बलस्थान, खामियाँ , सूअवसर तथा चूनौतियाँ

❖ बलस्थान:

1. विभाग के १००% अध्यापक उच्च पात्रताधारक तथा पीएच.डी.उपाधि हेतु शोध-निर्देशक हैं ।
2. विभाग के दोनों अध्यापक यू.जी.सी. पुरस्कृत बृहत् शोध परियोजना में संलग्नतथा शोध परियोजना पूर्ण एवं प्रगति पथ पर ।
3. हिंदी दिवस तथा हिंदी सप्ताह का आयोजन।
4. ग्रंथालय में N-List की सुविधा।
5. विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलता पूर्वक आयोजन ।
6. यु.जी.सी. पुरस्कृत शोध परियोजना के अंतर्गत महाविद्यालय के ग्रंथालय को 510 ग्रंथ प्रदान । जिन ग्रंथों का अध्यापक एवं विद्यार्थियों के लिये संदर्भ ग्रंथ के रूप में उपयोग ।

❖ खामियाँ:

1. हिंदी विभाग के लिये स्वतंत्र विभाग कक्ष एवं स्वतंत्र ग्रंथालय की सुविधा नहीं है।

❖ सुअवसर:

1. हिंदी कोर्स माध्यम(Media) तथा मनोरंजन से संबंधित हैं।
2. हिंदी पाठ्यक्रम संस्कार तथा रोजगारपरक हैं।
3. हिंदी कौशल विकास पाठ्यक्रम रोजगाराभिमुख है।

❖ चुनौतियाँ:

1. विभाग में छात्र छात्राओं की कम होती संख्या।
2. अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की दृष्टि से नयी नयी तकनीक से छात्रों को अवगत कराना।

❖ भविष्य की योजनाएँ:

1. अंतरराष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन करना।
2. स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम का प्रारंभ करना।
3. अंतर विद्याशाखीय अध्यासन निर्माण करना।

प्रो.(डॉ.) सतीश वसंतराव यादव

डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे